डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना

चर्चा में क्यों?

केंद्र सरकार ने डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना (DHIS) को 1 साल के लिए बढ़ाने की मंजूरी दे दी।

डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना

शुभारंभ: 1 जनवरी, 2023

उद्देश्य: देश में डिजिटल स्वास्थ्य लेनदेन को और बढ़ावा देना

पात्रता: सार्वजनिक और निजी अस्पतालों और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाने वाली स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री (HFR) के तहत पंजीकृत डिजिटल समाधान कंपनियों (DSC)

कार्य प्रणाली: सरकारी और निजी अस्पतालों, क्लीनिकों, नर्सिंग होम, डायग्नोस्टिक लैब और फ़ार्मेसी को हर अतिरिक्त (एक महीने में 100 लेन-देन की सीमा से) रिकॉर्ड के लिए 20 रुपये का भुगतान।

Result Mitra

प्रोत्साहन गणना: स्वास्थ्य रिकॉर्ड की संख्या पर आधारित, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA ID) रोगियों की संख्या से जोड़ा गया

लाभार्थी: प्रत्येक सुविधा या डिजिटल समाधान कंपनी को 4 करोड़ रुपये तक का प्रोत्साहन।

उपलब्धियां: सार्वजनिक डैशबोर्ड के अनुसार, 1,085 निजी और 41 डिजिटल समाधान कंपनियों (36 निजी कंपनियों सहित) सहित 4,005 स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं ने इस योजना के तहत पंजीकृत किया।

योजना को आगे बढ़ाने का कारण

डिजिटल स्वास्थ्य समाधान प्रदाताओं को उचित लागत पर सही सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु

तथा इस योजना के अच्छे परिणामों को देखते हुए इसे आगे बढ़ा दिया गया है।

योजना से मरीजों को लाभ

- डिजिटल लेनदेन के उपयोग से रोगी का प्रतीक्षा समय कम हो जाता है।
- मरीज अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से देख, एक्सेस और देखभाल प्रदाताओं के साथ साझा भी कर सकते हैं।
- इस योजना के बिना, अस्पतालों को डिजिटलीकरण की लागत मरीजों से ही वसूलनी पड़ेगी।
- डिजिटल रिकॉर्ड बनाए जाने से, रिकॉर्ड नष्ट होने के कारण मरीजों द्वारा बार-बार एक ही परीक्षण करवाने की जरूरत नहीं।
- प्रवासी श्रमिकों और एक राज्य से दूसरे राज्य की यात्रा करने वाले मरीजों को सहूलियत।

Result

ABHA आईडी क्या है?

आधार ID की तरह, डिजिटल ID है।

पूरा नाम: आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता

जिसमें मरीज अपने मेडिकल रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से संग्रहीत और साझा कर सकता।

NHA के अनुसार, अब तक लगभग 64 करोड़ ABHA ID बनाए जा चुके हैं।

एक बार आईडी बन जाने के बाद - जब भी कोई मरीज डिजिटल ढांचे से जुड़े केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाता है - तो उसके सभी रिकॉर्ड इससे जुड़ जाते हैं।

आईडी का इस्तेमाल: डॉक्टर के पर्चे, डायग्नोस्टिक टेस्ट के नतीजों जैसे स्वास्थ्य सेवा रिकॉर्ड स्टोर करने, एक्सेस करने और शेयर करने हेतु।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM)

शुभारंभ: सितंबर, 2021

उद्देश्य: देश के डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को विकसित करने हेतु सभी भारतीय नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य आईडी प्रदान करना।

एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफ़ेस (UHI): ABDM के तहत, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराता है, जिनमें अपॉइंटमेंट बुकिंग, टेली-परामर्श आदि शामिल।

भारत में डिजिटल हेल्थकेयर से संबंधित समस्याएं

डिजिटल साक्षरता व कौशल का अभाव

टेलीमेडिसिन का अस्पष्ट विनियमन

मरीज के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा चिंता

इंटरनेट कनेक्टिविटी और आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढांचे का अभाव

Result Mitra